

## प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 34

अंक 3-4

जुलाई-अक्टूबर 2010

इस अंक में

संवाद		3
लेख		
1. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार विधेयक, 2009		5
2. शिक्षा के अधिकार 2009 के शैक्षिक आयामों की व्यावहारिक प्रासंगिकता	शाइनी दुग्गल	10
3. पहली कक्षा का शिक्षक	लता पाण्डे	16
4. राह बनाते शिक्षक	रश्मि पालीवाल	21
5. मैं भी शिक्षक, तुम भी शिक्षक	भारती	26
6. कहानी सुनाने के तरीके	अक्षय कुमार दीक्षित	30
7. दृश्य एवं प्रदर्शन कला द्वारा शिक्षण	शर्बरी बैनर्जी	36
8. पृथ्वी ग्रह का शिक्षण-जानकारी और अनुभव की लड़ाई	मुकेश मालवीय	41
9. भाषा और गणित	लता अग्रवाल	45
10. प्राथमिक स्तर पर कार्यानुभव की गतिविधियाँ-प्रस्तावित या निर्धारित	शारदा कुमारी	52
11. ग्राम शिक्षा समिति में ई-प्रबंधन का प्रसार	दिनेश कुमार	60
12. संस्कृति की धरोहर हैं - बालगीत और लोरियाँ	दीक्षा जोशी	65
13. कविता से पढ़ाई	स्नेहलता	70

- |  |               |    |
|--|---------------|----|
| 14. आकलन की नई पद्धति- ग्रेडिंग सिस्टम | सूरजमल गर्ग   | 72 |
| 15. दिवास्वप्न                         | गिजुभाई बधेका | 76 |

### कहानी

- |                       |         |    |
|-----------------------|---------|----|
| 16. तो मैं भी पढ़ूँगा | मतीश झा | 78 |
|-----------------------|---------|----|

### अनुभव

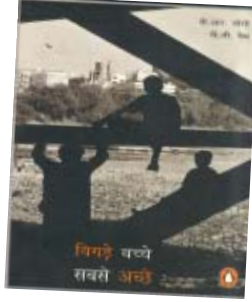
- |   |                |    |
|---|----------------|----|
| 17. मूल्यांकन से जुड़े चिरस्मरणीय अनुभव | किरन देवेन्द्र | 82 |
|---|----------------|----|

### शोध

- |   |                       |    |
|---|-----------------------|----|
| 18. प्राथमिक विद्यालयों के सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का अध्ययन | आफ़ताब जाकरा सिद्दीकी | 87 |
|---|-----------------------|----|

### पठनीय

- |                             |               |    |
|-----------------------------|---------------|----|
| 19. बिगड़े बच्चे सबसे अच्छे | पुनीता गुप्ता | 90 |
|-----------------------------|---------------|----|



### बालमन कुछ कहता है

- |                               |  |    |
|-------------------------------|--|----|
| 20. गर्मियों की छुट्टी        |  | 95 |
| 21. मेरे मित्र की बहादुरी     |  | 96 |
| 22. मैंने बनाई कागज़ की नाव   |  | 97 |
| 23. मुझे खेलना अच्छा लगता है। |  | 98 |

- |                                     |  |    |
|-------------------------------------|--|----|
| प्राथमिक शिक्षक पत्रिका के बारे में |  | 99 |
|-------------------------------------|--|----|

### कविता

- |                                 |                |  |
|---------------------------------|----------------|--|
| साहब कारबोरेटर में कचरा है..... | जितेंद्र लोढ़ा |  |
|---------------------------------|----------------|--|